□□□□ □□□□□
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग
□□□□□□
अतारांकित प्रश्न □ख□: 4588
20 □□□, 2020 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर
आत्महत्या को दर

4588. श्री□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□

श्री शान्तनु ठाकुरः

क□ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने को कृपा करगे किः

(क) क्या राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोफाइल, 2018 के द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, वष 2000 से 2015 तक आत्महत्या को दर म 35 प्रतिशत तक को वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) देश म आत्महत्या के मामलों म कमी लाने के लिए क्या उपाय किए गए ह?

□त्त□:

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण □□ज□ □त्री (श्री □□श्वि□□□ □□□□ □□□□)

(क) और (ख) राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोफाइल, 2018 के अनुसार, आत्महत्या करने वाले लोगों को संख्या म वष 2000 से 2015 के दौरान 23.04% को वृद्धि हुई है। तथापि, देश के 12 राज्यों म किए गए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सवक्षण 2016 के अनुसार, 18 साल से बड़े लोगों को 0.9% आबादी म आत्महत्या का जोखिम अधिक पाया गया।

(ग) मानसिक विकृतियों के बोझ को दूर करने के लिए, भारत सरकार वष 1982 से राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कायक्रम (एनएमएचपी) का कायान्वयन कर रही है। इस कायक्रम के तहत, सरकार निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ एनएमएचपी के तहत देश के 655 जिलों म जिला मानसिक स्वास्थ्य कायक्रम (डीएमएचपी) के कायान्वयन म सहयोग दे रही हैः

(i) आत्महत्या रोकथाम सेवाएं, काय-स्थल तनाव प्रबंधन, विद्यालयों और महाविद्यालयों म जीवन कौशल प्रशिक्षण तथा परामश।

(ii) जिला स्वास्थ्य परिचया प्रदानगी प्रणाली के विभिन्न चरणों पर रोकथाम, संवधन एवं दीघकालिक अनवरत परिचया सहित मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना।

(iii) मानसिक स्वास्थ्य परिचया हेतु अवसंरचना, उपस्कर एवं मानव संसाधन के संबंध म सांस्थानिक क्षमता म वृद्धि करना।

(iv) मानसिक स्वास्थ्य परिचया सेवाएं प्रदान करने म सामुदायिक जागरूकता और भागीदारी को बढ़ावा देना।